आशुलिपिक के रिक्त पदों पर चयन हेतु परीक्षा योजना एवं पाठयक्रम:-

प्रथम चरण (लिखित परीक्षा)-

प्रश्नगत परीक्षा में एक प्रश्न पत्र होगा, जिसमें कुल 100 प्रश्न होंगे तथा समयावधि दो घण्टा होगी। परीक्षा के प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। लिखित परीक्षा हेतु प्रत्येक गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंकन (निगेटिव मार्किंग) का प्राविधान है, जो उस प्रश्न हेतु निर्धारित अंक का 25 प्रतिशत अर्थात ¼ होगी।

लिखित परीक्षा हेतु परीक्षा योजना

परीक्षा के भाग, विषय, प्रश्नों की संख्या, कुल अंक और समयावधि नीचे दिये गये विवरण के अनुसार होगा-

भाग	विषय	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	समयावधि
भाग-1	हिन्दी परिज्ञान और लेखन योग्यता	30	30	120 मिनट (दो घण्टा) की अवधि का संयुक्त प्रश्न पत्र
भाग-2	सामान्य बुद्धि परीक्षण	15	15	
भाग-3	सामान्य जानकारी	20	20	
भाग-4	कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं एवं इस क्षेत्र में समसामयिक प्रौद्योगिकी विकास एवं नवाचार का ज्ञान	15	15	
भाग-5	उत्तर प्रदेश राज्य से संबंधित सामान्य जानकारी	20	20	
	योग	100	100	

नोट- उपर्युक्त परीक्षा हेतु प्रत्येक गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंकन (निगेटिव मार्किंग) का प्राविधान हैं, जो उस प्रश्न हेतु निर्धारित अंक का 25 प्रतिशत अर्थात ¼ होगी ।

लिखित परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

भाग-1 हिन्दी परिज्ञान और लेखन योग्यता-

उम्मीदवारों से हिन्दी भाषा का ज्ञान तथा उनके समझ एवं लेखन की योग्यता के परीक्षण हेतु प्रश्न पूछे जायेंगे। (यह प्रश्न पत्र माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0 प्र0 के इण्टरमीडिएट परीक्षा के स्तर का होगा)

भाग-2 सामान्य बुद्धि परीक्षण-

इस परीक्षण का उद्देश्य किसी नई परिस्थिति के समझने उसके विभिन्न तत्वों का विश्लेषण तथा पहचान करने तथा तर्क करने की योग्यता को मापना है। इस परीक्षण में ऐसे प्रश्न होंगे जो अनुदेशों को समझने, संबंधों, समानताओं तथा संगतताओं का पता लगाने, निष्कर्ष निकालने और इसी प्रकार की बैद्धिक क्रियाओं पर आधारित होंगे।

भाग-3 सामान्य जानकारी-

प्रश्न पत्र का यह भाग उम्मीदवारों की चारों ओर के वातावरण के बारे में उसकी सामान्य जानकारी तथा समाज में उसके इस्तेमाल के बारे में उसकी योग्यता के आंकने के लिए है। इस परीक्षण में ऐसे प्रश्न भी रखे जायेंगे जिनसे ऐसी समसामयिक घटनाओं तथा प्रतिदिन दृष्टिगोचर होने तथा अनुभव में आने वाले तथ्यों जिनमें ऐतिहासिक एवं भौगोलिक तथ्य भी सम्मिलित हो सकते हैं। (विशेष कर भारत से संबंधित) एवं उनके वैज्ञानिक पहलुओं का ज्ञान आंका जा सके, जिसकी किसी भी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है।

भाग-4 कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं एवं इस क्षेत्र में समसामयिक प्रौद्योगिकी विकास एवं नवाचार का ज्ञान-

• कम्प्यूटर, सूचना तकनीकी, इन्टरनेट एवं वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) का इतिहास, परिचय एवं अनुप्रयोग

• निम्नलिखित बिन्दुओं सम्बन्धी सामान्य ज्ञान

I. हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर

II. इनपुट एवं आउटपुट

III. इन्टरनेट प्रोटोकॉल / आई० पी० एड्रेस

IV. आई० टी० गैजेट एवं उनका अनुप्रयोग

V. ई-मेल आई० डी० को बनाना एवं ई-मेल का प्रयोग/संचालन

VI. प्रिंटर, टेबलेट एवं मोबाइल का संचालन

VII. वर्ड प्रोसेसिंग (MS-word) एवं ऐक्सेल प्रोसेसिंग (MS-Excel) के महत्वपूर्ण तत्व

VIII. ऑपरेटिंग सिस्टम, सोशल नेटवर्किंग, ई-गवर्नेंस

• डिजिटल वित्तीय उपकरण और अनुप्रयोग

• भविष्य के कौशल और साइबर सुरक्षा

• कम्प्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में होने वाले तकनीकी विकास एवं नवाचार (आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स, बिग डेटा प्रोसेसिंग, डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स) तथा इस क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ आदि।

भाग-5 उत्तर प्रदेश राज्य से संबंधित सामान्य जानकारी:-

प्रश्न पत्र के इस भाग से उम्मीदवारों से उत्तर प्रदेश के इतिहास, संस्कृति, कला, वास्तुकला, त्योहार, लोक नृत्य, साहित्य, क्षेत्रीय भाषायें, विरासत, सामाजिक रीति-रिवाज और पर्यटन, भौगोलिक परिदृश्य एवं पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन, जलवायु, मिट्टी, वन, वन्यजीव, खान और खनिज, अर्थव्यवस्था, कृषि, उद्योग, व्यवसाय और रोजगार, राजव्यवस्था एवं प्रशासन तथा समसामयिक घटनाओं एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश राज्य की उपलब्धियाँ आदि पर आधारित प्रश्न पूछेजायेंगे।

द्वितीय चरण (आशुलेखन एवं टंकण परीक्षा)

लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर शार्टलिस्ट किये गये अभ्यर्थियों की आशुलेखन एवं टंकण दक्षता परीक्षण हेतु द्वितीय चरण में आशुलेखन एवं टंकण परीक्षा आयोजित की जायेगी। प्रश्नगत परीक्षा कम्प्यूटर/लैपटॉप पर होगी, जो अर्हकारी प्रकृति की होगी। केवल ऐसे अभ्यर्थियों के चयन पर विचार किया जायेगा, जिन्होंने यथास्थिति आशुलेखन एवं टंकण के लिए विहित न्यूनतम गति प्राप्त कर ली हो (हिन्दी आशुलेखन और हिन्दी टंकण में क्रमशः 80 शब्द प्रति मिनट और 25 शब्द प्रति मिनट की न्यूनतम गति होना आवश्यक है) । आशुलेखन एवं टंकण परीक्षा में अर्हता प्राप्त अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर श्रेष्ठता सूची तैयार की जायेगी।